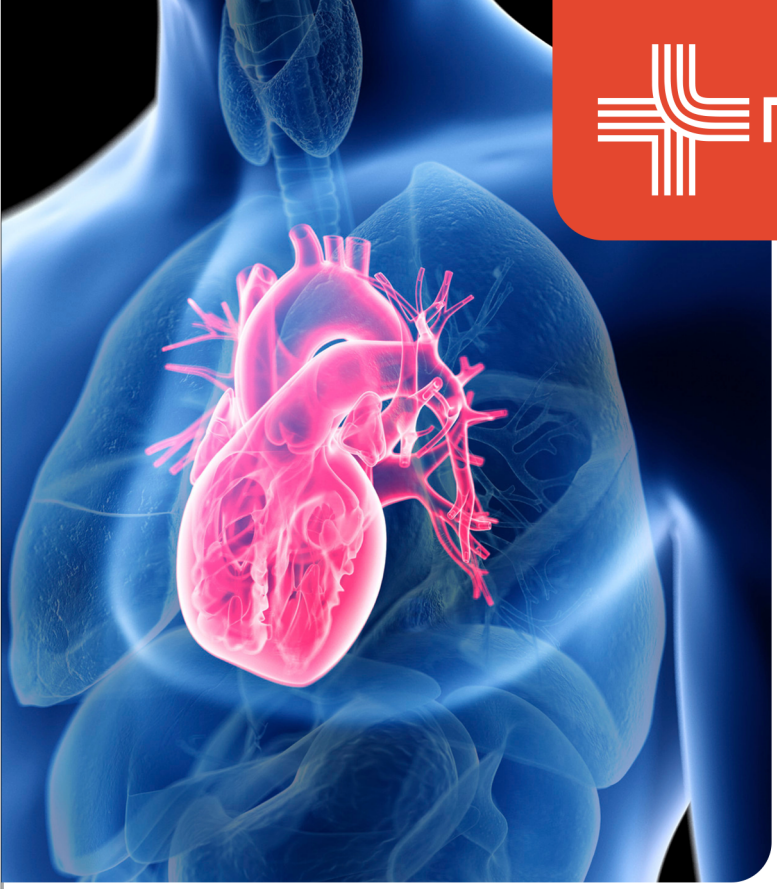

medanta

रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन

(आर.एफ.ए)

MEDANTA
HEART INSTITUTE

रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन क्या होता है?

रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन या कैथेटर एब्लेशन एक मेडिकल प्रक्रिया है जो हृदय के असामान्य ऊतकों (टिशू) को नष्ट करने के लिए रेडियोफ्रीक्वेंसी ऊर्जा का उपयोग करती है। ये असामान्य ऊतक अनियमित या तेज दिल की धड़कन का कारण बनते हैं। रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन हृदय के अन्य हिस्सों को नुकसान पहुंचाए बिना असामान्य ऊतक को नष्ट कर देता है।

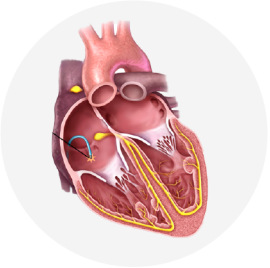

डॉक्टर रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन की सलाह कब दे सकते हैं?

आपके हृदय में विशेष कोशिकाएँ विद्युत संकेत उत्पन्न करती हैं जो आपके हृदय के अन्य भागों तक जाते हैं। इन संकेत के कारण हृदय के ऊपरी और निचले चैम्बर क्रमानुसार धड़कते हैं। असामान्य कोशिकाएँ अव्यवस्थित विद्युत संकेत उत्पन्न कर सकती हैं जो अनियमित या तेज़ दिल की धड़कन का कारण बनती हैं। जब ऐसा होता है, तो हृदय प्रभावी ढंग से शरीर में रक्त पंप नहीं कर पाता है और आप बेहोशी, सांस लेने में तकलीफ और कमजोरी महसूस कर सकते हैं। इसके साथ-साथ दिल की धड़कनें भी तेज़ महसूस हो सकती हैं।

डॉक्टर निम्नलिखित परिस्थितियों में रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन की सलाह दे सकते हैं:

- **सुप्रावेंट्रिकुलर टैकीकार्डिया (एसवीटी):** एसवीटी एब्लेशन हृदय के ऊपरी कक्षों में उपस्थित दिल की धड़कन के विद्युत संकेतों में समस्या पैदा करने वाली कोशिकाओं को नष्ट करता है।
- **एट्रिअल फ्लटर:** इस स्थिति में रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन का लक्ष्य अनियमित विद्युत संकेतों को रोकना और असामान्य हृदय गति को सामान्य करना है।
- **एट्रिअल फिब्रिलेशन:** रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन एट्रियल फिब्रिलेशन में तेज या अनियमित दिल की धड़कन का कारण बनने वाले ऊतकों को नष्ट करता है।

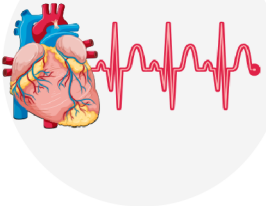

रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन से पहले क्या सावधानियां बरतनी चाहिए?

- डॉक्टर मरीज़ को रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन से 24 घंटे पहले खान-पान संबंधी निर्देश देते हैं। मरीज़ को प्रक्रिया से कम से कम छह से आठ घंटे पहले तक कुछ भी खाने या पीने से मना किया जाएगा।
- मरीज़ डॉक्टर को चल रही दवाओं के बारे में बताएं। डॉक्टर रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन से पहले इन्हें जारी रखने या बंद करने के निर्देश दे सकते हैं।
- मरीज़ को प्रक्रिया से पहले डॉक्टर को एलर्जी, गर्भावस्था, और बीमारियों के बारे में सूचित करना चाहिए।
- प्रक्रिया के बाद घर जाने के लिए किसी साथी की व्यवस्था करें।

रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन के दौरान क्या होता है?

रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन एक प्रशिक्षित डॉक्टर अस्पताल की इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी (ई.पी) या कैथ लैब में करते है, जिसमें:

- सबसे पहले मरीज़ को दर्द से बचने के लिए स्थानीय एनेस्थीसिया दिया जायेगा, लेकिन प्रक्रिया के दौरान मरीज़ होश में रहेंगे।
- डॉक्टर मरीज़ की कमर, बांह, गर्दन या ऊपरी जांघ की रक्त वाहिका के माध्यम से एक छोटी ट्यूब (जिसे शीथ कहा जाता है) डालते हैं।
- फिर एक कैथेटर (एक लंबी, पतली ट्यूब) को शीथ के माध्यम से अंदर डालते हैं।
- एक वीडियो स्क्रीन में डॉक्टर को कैथेटर की स्थिति दिखती रहेगी। डॉक्टर शीथ से कई लंबी, पतली ट्यूब (जिन्हें इलेक्ट्रोड कैथेटर कहा जाता है) को मरीज़ के हृदय में डालते हैं।
- अनियमित दिल की धड़कन का कारण बनने वाले असामान्य ऊतक का पता लगाने के लिए, डॉक्टर इलेक्ट्रोड कैथेटर से एक छोटा विद्युत आवेग भेजते हैं। यह असामान्य ऊतक को सक्रिय करता है।
- डॉक्टर कैथेटर को मरीज़ के हृदय के ठीक उसी स्थान पर रखते है जहां असामान्य कोशिकाएँ होती हैं।
- फिर, एक हल्की, दर्द रहित, रेडियोफ्रीक्वेंसी ऊर्जा, ऊतक को भेजी जाती है, जो इन असामान्य कोशिकाओं को नष्ट कर देती है।
- मरीज़ को उसी दिन घर भेजा जा सकता है या एक रात के लिए रुकने को कहा जा सकता है।

रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन के बाद क्या होता है?

रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन के बाद शीथ आमतौर पर कई घंटों तक मरीज़ के कमर, बांह, गर्दन या ऊपरी जांघ की रक्त वाहिका में रहती है। इस दौरान मरीज़ को सीधा लेटना होता है। शीथ हटाने के बाद:

- मरीज़ को सूचित किया जाएगा कि वे बिस्तर से कब उठ सकते हैं।
- मरीज़ के दिल की धड़कन, पल्स और रक्तचाप की निगरानी की जाएगी।
- मरीज़ को घर पर क्या करना है इसके बारे में लिखित निर्देश दिए जाएंगे।

किन परिस्थितियों में तुरंत अपने डॉक्टर से संपर्क करें?

घर पहुँचने के बाद यदि मरीज़ को निम्नलिखित लक्षण महसूस हो रहे हैं तो तुरंत डॉक्टर को सूचित करें:

- चीरे वाली जगह या पैर में झुनझुनी, या ठंडापन महसूस होना या नील पड़ना
- चीरे वाली जगह में सूजन या तरल पदार्थ का रिसाव
- सीने में दर्द महसूस होना
- बहुत पसीना आना
- दिल की धड़कन तेज़ या अनियमित होना
- सांस लेने में तकलीफ महसूस होना
- अत्यधिक चक्कर आना

24/7 सेवा

मेदांता **24X7**
आपातकालीन हेल्पलाइन

1068

अपॉइंटमेंट बुक करने
के लिए स्कैन करें

medanta हेल्पलाइन
890-439-5588
Visit us at : www.medanta.org

मेदांता नेटवर्क: गुरुग्राम । दिल्ली । लखनऊ । पटना । इंदौर । रांची । नोएडा *
शीघ्र प्रारम्भ